15 अगस्त पर भाषण हिंदी में

आदरणीय प्रिंसिपल सर, अध्यापक गण एवं मेरे प्यारे साथियों,
आज हम यहां पर अपने 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए एकजुट हुए हैं। 15 अगस्त 1947 का दिन भारत के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिन था, क्योंकि इसी दिन हमें ब्रिटिश सरकार की सैकड़ों सालों की हुकूमत से मुक्ति मिली थी। इसी कारण से भारतवासी इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर स्कूल कार्यालयों तथा सरकारी संस्थानों में अवकाश होता है। वैसे तो स्वतंत्रता दिवस का जश्न देश के हर एक भाग में जोरों शोरों से मनाया जाता है लेकिन भारत सरकार का भव्य एवं प्रमुख आयोजन दिल्ली के लाल किले पर होता है। क्योंकि इस दिन पर हर जगह भारत का प्यारा तिरंगा शान से अपना मस्तक ऊंचा किए हवा में लहराता दिखाई देता है।

स्वतंत्रता सेनानिओं के लिए कुछ लाइनें कहना चाहुँगी/चाहुँगा –

नमन है उन वीरों को जिन्होंने इस देश को बचाया,
गुलामी की मजबूत बेड़ियों को,
अपने बलिदान के रक्त से पिघलाया,
और भारत माँ को आजाद है कराया।

इस दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराते हैं साथ ही राष्ट्रध्वज को 21 तोपों की सलामी भी दी जाती है। इसके बाद राष्ट्रगान होता है और लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री वहां पर बैठे समस्त देशवासियों को संबोधित करते हैं। तथा जो लोग अपने घरों में हैं वह इस कार्यक्रम को टेलीविजन के माध्यम से देख सकते हैं।
रात के समय सरकारी भवन विभिन्न प्रकार की लाइटों से जगमगाया

रहता है। दिल्ली के संसद भवन, राष्ट्रपति भवन तथा इंडिया गेट एवं पूरे लुटियन जोन पर लगी लाइटों का नजारा बहुत ही सुंदर होता है।

दोस्तों, यह दिन उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का दिन भी है जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानियां देकर भारत माता की बेड़ियां काटी थी। आज मैं ऐसे वीर सेनानियों को इस स्वतंत्रता दिवस पर नमन करता हूं जिन्होंने भारत की आजादी का सपना देखा एवं खुद के प्राणों की प्रवाह किए बिना भारत को ब्रिटिश सरकार की बेड़ियों से मुक्त करवाया।

15 August भारत देश के गर्व और सौभाग्य का दिवस है। यह पर्व हमारे हृदय में नवीन स्फूर्ति, नवीन आशा, उत्साह तथा देश-भक्ति का संचार है। स्वतंत्रता दिवस हमे इस बात बात की याद दिलाता है कि हमने कितनी कुर्बानियाँ देकर यह आजादी प्राप्त की है, जिसकी रक्षा हमे हर कीमत पर करनी है। चाहे हमे इसके लिए अपने प्राणों का त्याग क्यों न करना पड़ें। इस प्रकार हम स्वतंत्रता दिवस के पर्व को पूर्ण उत्साह, उमंग और जोश के साथ मनाते है और राष्ट्र की स्वतंत्रता और सार्वभौमिकता की रक्षा का प्रण लेते है।

जाते-जाते मैं बस इतना ही कहना चाहूंगी/चाहूंगा कि –

भूल न जाना भारत माँ के सपूतों का बलिदान,
इस दिन ले लिए जो हुए थे हँसकर कुर्बान,
आजादी की खुशियाँ मनाकर लो शपथ ये कि,
बनाएंगे देश भारत को और भी महान।
जय हिन्द !..... जय भारत !.....